शिक्षक अनुदान / टी.एल.एम. (Teacher Grant)

परिचय :

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत बच्चों के अधिगम के लिये रूचिपूर्ण विद्यालयी वातावरण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दृष्टि से बच्चों एवं शिक्षकों की सृजनशीलता को उभारने तथा कक्षा शिक्षण को रोचक एवं प्रभावी बनाने की दृष्टि से शिक्षण अधिगम सामग्री हेतु शिक्षक अनुदान (टीएलएम) का प्रावधान किया गया है। टीएलएम हेतु प्रदत्त राशि द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण कर आनन्ददायी शिक्षण के लिए छात्र को क्रियाशील करना एवं कक्षा में शैक्षिक, रोचक एवं जीवन्त वातावरण का निर्माण करना है। सत्र 2016-17 में बाल मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए बच्चों को आनन्ददायी शिक्षा देने के लिए इस राशि का उपयोग किया जा सकेगा।

यह अनुदान यू डाइस 2015-16 के अनुसार शिक्षा विभाग / पंचायती राज विभाग / संस्कृत शिक्षा के / शिक्षाकर्मी बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों / मदरसा बोर्ड द्वारा पंजीकृत मदरसों / समाज कल्याण विभाग के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में लगाये गये शिक्षा सहयोगियों तथा राजकीय माध्यमिक / उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्राथमिक / उच्च प्राथमिक कक्षाओं को पढ़ाने वाले शिक्षकों को देय है। अत: उक्तानुसार अनुदान सत्र के प्रारम्भ में वितरित किया जाकर शत प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करना सुनिश्चित करें। तत्पश्चात् इसकी प्रगति का उल्लेख मासिक प्रगति प्रतिवेदन में करें।

शिक्षक एवं संस्था प्रधान राशि के उपयोग की कार्य योजना तैयार करेंगे। शिक्षकों के मार्गदर्शन के लिये टीएलएम की सूची नीचे अंकित की जा रही है। विषय-वस्तु के आधार पर विद्यालय परिसर व दीवारों पर टीएलएम राशि से चित्रांकन अथवा लेखन कराया जा सकता है। "करके सीखना" (Learning by doing) से ग्रहण की गई शिक्षा स्थायी होती है। अत: टीएलएम का अधिकाधिक उपयोग कर बच्चों में इस प्रवृत्ति को बढ़ाया जा सकता है।

राशि का उपयोग करते हुए **प्रत्येक शिक्षक के पास निम्न टीएलएम सन्दर्भ सामग्री में से कम से कम एक सामग्री आवश्यक रूप से होना अपेक्षित है।**

क्र.सं.	विषयाध्यापक	न्यूनतम अपेक्षित स्थायी टीएलएम संदर्भ सामग्री प्राथमिक / उच्च प्राथमिक कक्षा शिक्षक हेतु
1	अंग्रेजी	अंग्रेजी व्याकरण पुस्तक, शब्दकोश
2.	गणित	ज्योमेट्री बॉक्स, पहाडा चक्र
3.	विज्ञान	शरीर के आन्तरिक संरचना के मॉडल, चार्ट्स, विज्ञान के दैनिक जीवन में प्रयोग सम्बन्धी पुस्तिकाएं
4.	पर्यावरण अध्ययन	एटलस, जिला, राज्य एवं भारत के मानचित्र, ग्लोब
5.	हिन्दी	हिन्दी व्याकरण पुस्तक, महान व्यक्तियों की जीवनियॉं, पंचतन्त्र की कहानियॉं, शब्दकोश।
6.	संस्कृत	संस्कृत व्याकरण पुस्तक, शब्दकोश।

शेष राशि का उपयोग मॉडल / चार्ट बनाने में कच्ची सामग्री क्रय करने में किया जा सकता है।

www.rajteachers.com

वित्तीय प्रावधान :– 500 रुपये प्रति शिक्षक।

कार्य प्रक्रिया :

राशि का हस्तान्तरण राज्य/जिला परियोजना कार्यालय द्वारा सीधे ही विद्यालय प्रबन्धन समिति के बैंक खाते मे किया जायेगा। कक्षा अनुसार पाठ्यक्रम की आवश्यकता के अनुरूप चिह्नित सामग्री की सूची शिक्षकों द्वारा तैयार कर विद्यालय स्तर पर समेकित की जायेगी तथा टीएलएम का क्रय एसएमसी द्वारा गठित क्रय समिति जिसमें एक शिक्षक एवं दो अभिभावक प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे, द्वारा किया जायेगा। टीएलएम सामग्री विद्यालय को इकाई मानकर तथा सभी शिक्षकों की पाठ्यक्रम की दृष्टि से कक्षावार समेकित आवश्यकता को ध्यान में रखकर क्रय की जायेगी।

यह सामग्री दो प्रकार की होगी –

2 **अस्थायी सामग्री (25 प्रतिशत राशि अर्थात् 125 रूपये) :–** इसका उपयोग शिक्षक कक्षा शिक्षण प्रक्रिया में बच्चों की सहभागिता से शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) निर्माण में कर सकेंगे। इस राशि से फेविकोल, गोंद, रंग, ब्रुश, रूई, धागा, कैंची, पतंगी कागज, चार्ट पेपर, स्केच पेन, थर्मोकॉल शीट, ब्लेड, सेलो टेप, बॉस की लकडी, माचिस की तीली, कृत्रिम फूल, पत्तियां, टहनी, स्क्रेप, गत्ते के कार्टून, पुराने समाचार पत्र–पत्रिकाओं में से विषय वस्तु से संबंधित चित्रों का संग्रह, फलालेन का कपड़ा, सेल, बल्ब, फ्लेश कार्ड, चकरियां, मुखौटे, सांप सीढ़ी, विलोम शब्द सीढ़ी, कागज के खिलौने, कठपुतलियां, मिट्टी के खिलौने, गिनती के चार्ट, वर्णमाला चार्ट आदि सामग्री का क्रय अथवा निर्माण किया जा सकता है।

2 **स्थायी सामग्री (75 प्रतिशत अर्थात् 375 रु.)** :– इसके अन्तर्गत तैयार टीचिंग ऐड/मॉडल/सन्दर्भ पुस्तकें क्रय किये जायेंगे जिनकी सहायता से शिक्षक पाठ को सरल, रोचक एवं शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बना सकेंगे। इस राशि का उपयोग निम्न में किया जा सकता है –

1 वर्किंग मॉडल्स।

2 नॉन वर्किंग मॉडल्स।

3 सन्दर्भ पुस्तकें, शब्दकोश।

4 अन्य टीचिंग एड/कक्षा–कक्षों, बरामदों में सन्दर्भ शिक्षण सामग्री चित्रांकन जैसे – विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, सन्धि, समास, कारक, गणित के सूत्र, यातायात संकेत, राजधानी, महापुरूषों के नाम व चित्र, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के नाम, विज्ञान की जानकारियां आदि।

ध्यान देने योग्य बिन्दु :

1. **प्रत्येक शिक्षक अपने द्वारा बनायी गई टीएलएम पर अपना नाम एवं निर्माण वर्ष अवश्य अंकित करें।**
2. शिक्षण अधिगम सामग्री का उपयोग मात्र प्रधानाध्यापक कक्ष को सजाने हेतु नहीं किया जाए बल्कि उसका उपयोग कक्षा–शिक्षण कार्य में विषय वस्तु को रोचक, आसान एवं आनन्ददायी बनाने हेतु किया जावे।
3. टीएलएम सामग्री को बक्से तथा अलमारी में बन्द नहीं रखें। उसका शिक्षण कार्य में दैनिक उपयोग करें तथा शिक्षक दैनन्दिनी में उल्लेख करें। उपयोग से सामग्री खराब होने की चिंता नही करें। इसका अधिकाधिक उपयोग करें।
4. हस्तनिर्मित सामग्री से वर्तनी (Spellings) की शुद्धता, सुन्दर, स्पष्ट एवं सुपाठ्य लेखन एवं आकर्षक टीएलएम का निर्माण करें ताकि शिक्षण कार्य को सम्बलन मिल सके।
5. टीएलएम को कक्षा–कक्ष अथवा विद्यालय में निर्धारित स्थान (TLM Corner) पर रखें जिससे बच्चों को उपयोग करने हेतु आसानी से प्राप्त हो सके।
6. सामग्री को बरसात, नमीयुक्त जगह आदि से बचाकर रखें। टीएलएम के खराब न होने एवं रखरखाव आदि के लिए अध्यापक/ प्रधानाध्यापक को सजग एवं जागरूक रहना चाहिए।
7. सामग्री का उपयोग कर उचित माध्यम से जिला परियोजना समन्वयक को उपयोगिता प्रमाण पत्र उपयोग के एक माह के अन्दर, वित्तीय वर्ष समाप्ति से पूर्व तक प्रस्तुत करें।

www.rajteachers.com

प्रधानाध्यापक का दायित्वः

प्रधानाध्यापक अपने दैनिक कक्षा अवलोकन में शिक्षक द्वारा शिक्षण में उपयोग की गई टीएलएम का अंकन करें तथा यह सुनिश्चित करें कि शिक्षक द्वारा टीएलएम का उपयोग विषयवस्तु के अनुसार अध्यापक दैनन्दिनी की पाठ योजना में दर्शाया गया है।

बीईईओ का दायित्वः

विद्यालय अवलोकन में टीएलएम के उपयोग को सुनिश्चित करावें तथा प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की मासिक बैठक में टीएलएम के उपयोग के बारे में समीक्षा की जावे तथा डीपीसी, एसएसए को अनुपालना रिपोर्ट मय उपयोगिता प्रमाण पत्र के प्रस्तुत करें।

प्राप्त टीएलएम सामग्री को शिक्षकों द्वारा टीएलएम पंजिका में निम्न प्रपत्र में संधारित किया जाये।

कच्ची सामग्री इंद्राज प्रपत्र

रजिस्टर के बायें पृष्ठ पर बनायें

क्र.स.	दिनाक	प्राप्त सामग्री	संख्या	राशि	उपयोग विवरण

हस्ताक्षर अध्यापक

निर्मित सामग्री इन्द्राज प्रपत्र

रजिस्टर के दायें पृष्ठ पर बनायें

क्र.सं.	निर्मित सामग्री का विवरण	संख्या	उपयोग का विवरण

प्रमाणित किया जाता है कि बांये पृष्ठ पर प्राप्त कच्ची सामग्री से उक्तानुसार दर्शायी शिक्षण सामग्री का निर्माण किया गया है।

हस्ताक्षर अध्यापक

उपयोगिता प्रमाण पत्र

सत्र 2016–17 हेतु विद्यालय प्रबंधन समिति ....(नाम विद्यालय) से दिनांक .... को प्राप्त टीएलएम राशि से निर्मित/क्रय शिक्षण अधिगम सामग्री को रजिस्टर के पृष्ठ संख्या .... पर दर्ज कर लिया गया है। सामग्री का कक्षा.................. विषय...................के शिक्षण में उपयोग किया जा रहा है।

क्र.स	नाम सामग्री	मात्रा	दर	राशि	विषय–वस्तु जिससे सम्बन्धित है	कच्चे माल से तैयार मॉडल का विवरण	भण्डार पंजिका में इन्द्राज पृ. सं./दि.	अध्यापक जिसको इश्यू की गई

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त सामग्री हेतु शाला प्रबन्धन समिति के प्रस्ताव संख्या .... के अनुरूप सामग्री क्रय की गई जिसका अनुमोदन एसएमसी के द्वारा दिनांक .... द्वारा किया गया।

हस्ताक्षर सचिव	हस्ताक्षर अध्यक्ष (एसएमसी)	हस्ताक्षर अध्यापक

www.rajteachers.com